UP Board Notes Class 8 Hindi Chapter 26 मौलाना अबुल कलाम आज़ाद (महान व्यक्तित्व)

पाठ का सारांश

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद का जन्म 11 नवम्बर, 1888 ई० को मक्का नगर में हुआ। इसके पिता मौलाना खैरुद्दीन अरबी के विद्वान थे। माता मदीना के मुफ्ती की पुत्री थी। सन् 1907 में मौलाना का परिवार कोलकाता आ गया। ये कुशाग्र बुद्धि के थे। इन्होंने साहित्य, गणित और दर्शन का गहन अध्ययन किया। इन्हें शायरी और गद्य लेखन का शौक था। 12 वर्ष की उम्र में इन्होंने 'नैरंगे आलम' पहली पत्रिका निकाली। इसके बाद 'लिसानुल सिदक' दूसरा पत्र प्रकाशित किया। इस्लाम के लाहौर अधिवेशन में 15-16 वर्ष के मौलाना ने सधी और संयत भाषा में करीब ढाई घण्टे वक भाषण दिया। इसके बाद इन्होंने कई पत्रिकाओं का सम्पादन किया। । सन् 1912 ई० में इन्होंने अपना प्रसिद्ध साप्ताहिक अखबार 'अलहिलाल' निकाला, जिसने लोगों में जागृति की लहर पैदा कर दी। सरकार के खिलाफ लिखने के जुर्म में राँची (झारखण्ड) में चार वर्ष तक इन्हें कैद में रहना पड़ा।

सन् 1920 ई० से ये महात्मा गांधी के सम्पर्क में आए। राष्ट्रीय गतिविधियों में सक्रिय होने के कारण इन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। इन्होंने गांधी जी के असहयोग को पूरा सहयोग दिया। इन्होंने हिन्दू एकता, शान्ति, अनुशासन और बलिदान के लिए देशवासियों को आमन्त्रित किया। सन् 1923 ई० में इन्हें कांग्रेस के विशेष अधिवेशन का अध्यक्ष चुना गया। वे फिर 1940 ई० में कांग्रेस के अध्यक्ष बने और स्वतन्त्रता प्राप्ति के दौर में अँग्रेजों से हुई विभिन्न वार्ताओं में शामिल हुए।

अगस्त 1947 को भारत के स्वतन्त्र होने पर इन्हें शिक्षामंत्री बनाया गया। मौलाना ने शिक्षा, कला, संगीत और साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उन्होंने प्रौढ़ शिक्षा और महिला शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया। राष्ट्रीय एकता, धार्मिक सहिष्णुता और देशप्रेम का आदर्श प्रस्तुत करके यह यशस्वी और साहसी, साहित्यकार, पत्रकार और उच्चकोटि का राजनेता 22 फरवरी, 1958 ई० को स्वर्ग सिधार गया।

https://www.evidyarthi.in/